Dr. SHYAM SHANKAR
ASSOCIATE PROFESSOR
DEPTT. OF POL. SCIENCE
RAJA SINGH COLLEGE, SIWAN

FOR BA HONS Part-2

राजनीतिक दलों की परिभाषा एवं तत्व.
DEFINITION AND ELEMENTS OF POLITICAL PARTIES

साधारण बोलचाल की भाषा में समान उद्देश्य की प्राप्ति के लिए बनाये गये संगठन को जिसका उद्देश्य सत्ता की प्राप्ति होता है उसे राजनीतिक दल कहते है। यह ऐसा संगठन है जिसका उद्देश्य सरकार बनाकर शासन करना है। आधुनिक युग प्रजातंत्र का युग है। राजनीतिक दलों के बिना प्रजातंत्र नहीं चल सकती है तथा राजनीतिक दलों के विकास के लिए भी प्रजातंत्र आवश्यक है। इसीलिए राजनीतिक दलों को प्रजातंत्र का Life blood कहा जाता है। मुनरो ने कहा है कि स्वतंत्र राजनीतिक दल ही लोकतंत्र का दूसरा नाम है। राजनीतिक दल ही प्रजातंत्र का आधार है। जनमत का निर्माण, उसका प्रकाशन तथा उसका उचित दिशा में विकास तो करते ही है वे जनता को संगठित और शिक्षित भी करते है। हुकर ने यहाँ तक कहा है कि राजनीतिक दल तो प्रजातांत्रिक मशीन के पहिये में डाला जानेवाला तेल है।

राजनीतिक दलों की परिभाषा विद्वानों ने भिन्न भिन्न प्रकार से की है। गिलक्राईस्ट के अनुसार "राजनीतिक दल उन मनुष्यों का एक समूह है जो कुछ निश्चित सिद्धान्तों के आधार पर जिनसे वे सहमत है, अपने संयुक्त प्रयत्नों से राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने के लिए संगठित रहते है।" गिलक्राईस्ट के अनुसार "राजनीतिक दल संगठित नागरिकों का वह समुदाय है जो एक ही राजनीतिक सिद्धान्तों को मानते है तथा एक राजनीतिक इकाई के रूप में कार्य करते है और सरकार पर अपना अधिकार जमाने का प्रयत्न करते है।" मैकाईवर के शब्दों में "राजनीतिक दल वह मानव समुदाय है जो किसी ऐसे सिद्धान्त अथवा नीति के समर्थन के लिए संगठित हुआ हो, जिसे वह संवैधानिक साधनों से शासन का आधार बनाना चाहता है।"

Scanned with CamScanner

प्रो. ऑस्की के अनुसार "राजनीतिक दल से हमारा तात्पर्य नागरिकों के उस संगठित समूह से है जो एक संगठित इकाई के रूप में कार्य करते हो।" ब्राइस के अनुसार "राजनीतिक दल मतदाताओं के समूह की अराजकता में व्यवस्था उत्पन्न करते है, यदि दल कुछ बुराईयाँ उत्पन्न करते है तो इसकी बुराइयों को दूर या कम भी करते है।" जबकि लेनिन के शब्दों में दल कुछ विभिन्न बुद्धिजीवियों और नौतिक मनुष्यों का एक सुसंगठित गुट होता है। विभिन्न बुद्धिजीवियों से उनका आशय मार्क्सवाद विषयक विद्वानों से है तथा नीतिक पुरुषों से तात्पर्य यह है कि जो लोग साम्यवादी दल और क्रान्ती के प्रति पूरी तरह निष्ठावान होते है।

उक्त परिभाषाओं के आधार पर कहा जा सकता है कि - राजनीतिक दल मनुष्यों या जन-समुदायों का संगठित रूप होता है। इसमें सामान्य विचारों पर सबकी सहमति होती है, दल के सदस्य अपने दल के सिद्धान्तों को दल की सहायता से शासन में प्रभावशाली बनाने हेतु चुनाव में भाग लेते है, तथा सत्ता प्राप्त करने पर अपने सिद्धान्तों को लागू करते है।

राजनीतिक दलों के कुछ तत्वो को हम निम्न बिन्दुओं में व्यक्त कर सकते है—

(क) आधारभूत सिद्धान्तों की एकता — सैद्धान्तिक एकता के अभाव में सदस्यों में पारस्परिक सहयोग नही हो पायेगा।

2. संगठन - दल के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए संगठन आवश्यक है।

3. संवैधानिक साधनों में विश्वास — मतदान में तथा चुनाव में उनका विश्वास होना चाहिए।

4. राष्ट्रीय हित की वृद्धि — इसके लिए जरूरी है कि जाति, धर्म या वर्ग की अपेक्षा सम्पूर्ण राष्ट्र के हितों के लिए कार्य करें।

5. शासन पर नियंत्रण स्थापित करने की इच्छा भी होनी चाहिए।

Scanned with CamScanner